भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, खंडवा रोड, इन्दौर-452001

फ़ाइल् क्रमांक. प्रेस नोट/प्रेस व पब्लिसिटी/2022/34

आईसीएआर-आई.आई.एस.आर द्वारा दिनांक 30.06.2022 को आयोजित "हिन्दी कार्यशाला" की प्रेस विज्ञप्ति

अभिव्यक्ति के माध्यम से नौ रसों का आनंद प्रदान करने वाली भाषा हिन्दी

इस आधुनिक दौर में भारत विश्व का एकमात्र ऐसा देश है जिसके प्रत्येक भाग में विभिन्न भाषाएँ बोली जाती है। पश्चिमीकरण के आभामंडल में हमारा देश अपनी मातृ भाषा को जैसे भूलता जा रहा है। युवाओं को हिन्दी भाषा की महत्ता एवं इसके गौरव को समझाने के लिए तथा केंद्रीय सरकारी कार्यालयों में राज्यभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु भारत सरकार द्वारा की गयी एक अनोखी पहल के अंतर्गत, प्रत्येक तीन माह में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। इसी श्रृंखला में भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर द्वारा हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला के प्रारंभिक दौर में संस्थान की कार्यवाहक निदेशक महोदया द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। इसके पश्चात संस्थान की प्रभारी राज्यभाषा अधिकारी डॉ पूनम कुचलन द्वारा मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कवि एवं प्राचार्य, संस्कार कॉलेज ऑफ़ प्रोफेशनल स्टडीज, प्रो. श्याम सुन्दर पलोड़ के अब तक के कार्यकाल की उपलब्धियों से परिचित करवाया गया। कार्यशाला के संचालक श्री रविशंकर कुमार ने किया । अतिथि वक्ता ने कहा, कि एक तरफ़ जीवन में ख़ुशमिज़ाजी घटती जा रही है ऐसी परिस्तिथि में लोगों की मुस्कराहट का सेतु हिन्दी ही है। हाल ही में सयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क द्वारा वैश्विक खुशहाली रिपोर्ट – 2022 प्रकाशित की गयी जिसमें 146 देशों की सूची में भारत का क्रम 136 वें नंबर पर है। जबकि इस सूचकांक में पकिस्तान 121 वें, बांग्लादेश 94 वें तथा नेपाल 84 वें पायदान पर है, हाल ही में 18 मार्च 2022 को प्रसारित इस सूचकांक ने भारतीयों की खुशहाली पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। इन आंकड़ों को साझा कर उन्होंने हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार पर ज़ोर दिया।

अपने जीवन के अनुभवों को साझा कर इस उद्बोधन में उन्होंने किसानों पर स्वरचित कविता का भी पाठ किया। उन्होंने बताया की हमारा सामाज जिस पश्चिमीकरण की ओर अग्रसर है, उसी के विपरीत विदेश में हमारे वेद, ग्रुन्थों तथा भाषा को सम्पूर्ण समृद्ध संग्राहलय के रूप में सम्मान दिया जाता। वेदों का उल्लेख करते हुए उन्होंने वेदों को खुश रहने की आधारशिला बताया, साथ ही उनके द्वारा प्राप्त होने वाले जीवन के अमूल्य सात सुखों को साझा कर जीवन जीने की कला से सभी श्रोतागणों को परिचित करवाया।

कार्यशाला के अंतिम चरण में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्री सौरभ मीणा द्वारा पधारे मुख्य अतिथि प्रो पलोड़ का आभार व्यक्त किया गया तथा संस्थान की निदेशक महोदया द्वारा स्मृति चिन्ह देकर उनकी सराहनीय उपस्तिथि के लिए सम्मानित किया गया। तत पश्चात संस्थान के श्री संजय पांडे जी ने उनके उद्बोधन के लिए कृतज्ञता व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन दिया।

.....

हिन्दी कार्यशाला
दिनांक : 30 जून, 2022